चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक .18..2..2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम....2-4.....

आयोजन एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ

'शिक्षा में डिजिटलाइजेशन का विशेष योगदान'

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि डिजिटलाइजेशन ने आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इसकी वजह से हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। साथ ही इसके लिए समय व स्थान की भी पाबंदी नहीं है क्योंकि इसे हर कोई किसी भी समय व स्थान पर उपयोग कर सकता है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी

एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से सेवानिवृत्त प्रिंसिपल साइंटिस्ट डा. अरूण कुमार जैन इस कार्यशाला में गेस्ट ऑनर के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने कृषि कोश-डिजीटल रेपोजिटरी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें बहुत सारे संसाधन मौजूद हैं जिसका उपयोग अनुसंधान कार्य के लिए बहुत ही लाभदायक है।

आइएआरआइ नई दिल्ली से प्रिंसिपल साइंटिस्ट डा. अमरेंद्र ने भी कृषि कोश-डिजीटल रेपोजिटरी के आधुनिक फीचर को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

देशभर से 400 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर प्रोफेसर राजीव कुमार पटेरिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। देशभर से 400 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रतिभागी, तीन तकनीकी सत्रों में होगा आयोजन पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं।

आयोजक डा. सीमा परमार ने बताया कि इस कार्यशाला में 3 तकनीकी सत्र रखे गए हैं जिसमें देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। वे प्रतिभागियों को सूचना तकनीक को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 18.2.2021..पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....7-8.....

डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. समर

एचएयू में ऑनलाइन कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि डिजिटाइजेशन ने आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है, क्योंकि इसकी वजह से हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। साथ ही समय व स्थान की पाबंदी नहीं है क्योंकि इसे हर कोई किसी भी समय व स्थान पर उपयोग कर सकता है। कुलपति प्रो. समर सिंह एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के शुभारंभ पर बतौर मुख्यातिथि ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से सेवानिवृत्त प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अरूण कुमार जैन इस कार्यशाला में गेस्ट ऑनर के रूप में उपस्थित हुए। आईएआरआई नई दिल्ली से प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अमरेंद्र ने भी कृषि कोश-डिजिटल रेपोजिटरी के आधुनिक फीचर को लेकर चर्चा की। कार्यशाला के शुभारंभ पर प्रो. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी का स्वागत किया। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 18.2.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.....

डिजिटाइजेशन का शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि डिजिटाइजेशन ने आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है, क्योंकि इसकी वजह से हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। कुलपति बुधवार को विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से सेवानिवृत्त प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अरुण कुमार जैन गेस्ट ऑनर के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा आईएआरआई नई दिल्ली से प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अमरेंद्र, प्रो. राजीव कुमार पटेरिया सहित देशभर से 400 प्रतिभागी ले रहे हैं। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान, डॉ. सीमा परमार, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन आदि भी मौजूद रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**17.02.2021**	--	--

समस्त हरियाणा — बुधवार, 17 फरवरी, 2021

डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान : कुलपति

हकृवि की नेहरू लाइब्रेरी में तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफसर सिंह ने कहा कि डिजिटाइजेशन ने आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे शिक्षाजगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इसकी वजह से हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। साथ ही इसके लिए समय व स्थान की भी पाबंदी नहीं है क्योंकि इसे हर कोई किसी भी समय व स्थान पर उपयोग कर सकता है। कुलपति प्रो. समर सिंह विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया।

मुख्यातिथि ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला समय-समय पर आयोजित की जानी चाहिए ताकि इससे शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और वे नवीनतम तकनीकों से अवगत होते रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संसाधनों के डिजिटलीकरण ने शैक्षणिक संस्थानों के लिए विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू साबित किया है। यह कार्यशाला कृषि वैज्ञानिकों व अनुसंधानकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाएगी। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से सेवानिवृत्त प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अरूण कुमार जैन इस कार्यशाला में गेस्ट ऑनर के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने कृषि कोश-डिजीटल रेपोजिटरी की महत्ता पर प्रकाश डाला। आईएआरआई नई दिल्ली से प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अमरेंद्र ने भी कृषि कोश-डिजीटल रेपोजिटरी के आधुनिक फीचर को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर प्रोफेसर राजीव कुमार पटेरिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

400 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रतिभागी

पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि इस कार्यशाला में 3 तकनीकी सत्र रखे गए हैं जिसमें देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। वे प्रतिभागियों को सूचना तकनीक को लेकर विभिन्न विषयों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे और प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं को भी शांत करेंगे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर.कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**17.02.2021**	--	--

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ

डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि डिजिटाइजेशन ने आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इसकी वजह से हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। साथ ही इसके लिए समय व स्थान की भी पाबंदी नहीं है क्योंकि इसे हर कोई किसी भी समय व स्थान पर उपयोग कर सकता है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। मुख्यातिथि ने आयोजकों

की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला समय-समय पर आयोजित की जानी चाहिए ताकि इससे शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और वे नवीनतम तकनीकों से अवगत होते रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संसाधनों के डिजिटलीकरण ने शैक्षणिक संस्थानों के लिए विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू साबित किया है। यह कार्यशाला कृषि वैज्ञानिकों व अनुसंधानकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाएगी।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से सेवानिवृत्त प्रिंसीपल साइंटिस्ट डॉ. अरूण कुमार जैन इस कार्यशाला में गेस्ट ऑनर के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने कृषि के क्षेत्र-डिजीटल रेपोजिटरी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें बहुत सारे संसाधन मौजूद हैं जिसका उपयोग अनुसंधान कार्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। आईएआरआई नई दिल्ली से प्रिंसीपल साइंटिस्ट डॉ. अमरेंद्र ने भी कृषि कोश-डिजीटल रेपोजिटरी के आधुनिक फीचर को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर प्रोफेसर राजीव कुमार पटेरिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

देशभर से 400 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रतिभागी, तीन तकनीकी सत्रों में होगा आयोजन

पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि इस कार्यशाला में 3 तकनीकी सत्र रखे गए हैं जिसमें देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। वे प्रतिभागियों को सूचना तकनीक को लेकर विभिन्न विषयों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे और प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं को भी शांत करेंगे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	**17.02.2021**	--	--

नेहरू लाइब्रेरी में तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ

देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों से प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफसर सिंह ने कहा कि डिजिटाइजेशन ने आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इसकी वजह से हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। साथ ही इसके लिए समय व स्थान की भी पाबंदी नहीं है क्योंकि इसे हर कोई किसी भी समय व स्थान पर उपयोग कर सकता है। कुलपति तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला समय-समय पर आयोजित की जानी चाहिए ताकि इससे शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और वे नवीनतम तकनीकों से अवगत होते रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संसाधनों के डिजिटलीकरण ने शैक्षणिक संस्थानों के लिए विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू साबित किया है। यह कार्यशाला कृषि वैज्ञानिकों व अनुसंधानकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाएगी।

हिसार। एचएयू की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कुलपति प्रो.समर सिंह।

पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि इस कार्यशाला में 3 तकनीकी सत्र रखे गए हैं जिसमें देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी. आर. कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**17.02.2021**	--	--

डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान : कुलपति

हिसार/17 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफसर समर सिंह ने कहा कि डिजिटाइजेशन ने आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे शिक्षा जगत को सबसे ज्यादा फायदा मिला है क्योंकि इसकी वजह से हर प्रकार की शिक्षा संबंधी सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध हो रही है। साथ ही इसके लिए समय व स्थान की भी पाबंदी नहीं है क्योंकि इसे हर कोई किसी भी समय व स्थान पर उपयोग कर सकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि ऑनलाईन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में देशभर से कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला समय-समय पर आयोजित की जानी चाहिए ताकि इससे शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और वे नवीनतम तकनीकों से अवगत होते रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संसाधनों का डिजिटलीकरण शैक्षणिक संस्थानों के लिए विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू साबित हुआ है। यह कार्यशाला कृषि वैज्ञानिकों व अनुसंधानकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाएगी। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से सेवानिवृत्त प्रिंसीपल साइंटिस्ट डॉ. अरूण कुमार जैन इस कार्यशाला में गैस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने कृषि कोश-डिजीटल रेपोजिटरी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें बहुत सारे संसाधन मौजूद हैं जिसका उपयोग अनुसंधान कार्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। आईएआरआई नई दिल्ली से प्रिंसीपल साइंटिस्ट डॉ. अमरेंद्र ने भी कृषि कोश-डिजीटल रेपोजिटरी के आधुनिक फीचर को लेकर चर्चा की। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर प्रोफेसर राजीव कुमार पटेरिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......दैनिक भास्कर......

दिनांक 18.2.2021 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 1-6

गेंहू की फसल के अचानक पीला होकर सूखने की शिकायत पर कृषि विशेषज्ञों ने की जांच

रतुआ से नहीं, पोटाश की कमी के चलते गेंहू की फसल का रंग हुआ था पीला, सूखने के कगार पर पहुंच गई थी

महबूब अली | हिसार

गेंहू की फसल का पीला रंग रतुआ रोग नहीं बल्कि पोटाश की कमी के चलते हुआ था। फसल सूखने के कगार पर पहुंच गई थी। ये बातें कृषि विशेषज्ञों की जांच में सामने आई हैं। हालांकि हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) के वैज्ञानिक अभी भी छानबीन में जुटे हैं। वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल के बचाव की सलाह दी है।

दरअसल, क्षेत्र के कई किसानों ने कृषि विशेषज्ञों व एचएयू के वैज्ञानिकों से शिकायत की थी कि उनकी गेंहू की फसल रतुआ से ग्रस्त हो गई है। कृषि विशेषज्ञ डॉ. अनुराग सांगवान ने बताया कि पौधे पोषक तत्वों के रूप में भोजन ग्रहण करते हैं। फसल द्वारा उपभोग किये पोषक तत्वों की क्षतिपूर्ति में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है व पौधे मरने लगते हैं। पौधों को वृद्धि के कम से कम 16 तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन पानी तथा हवा से प्राप्त होते हैं। अन्य 13 तत्व भूमि, उर्वरक तथा खादों से मिलते हैं। मिट्टी में किसी भी पोषक तत्व की कमी होने से पौधों का विकास रूक जाता है। इसलिए खाद व उर्वरक का उपयोग सन्तुलित मात्रा में होना चाहिए ताकि फसल को पर्याप्त मात्रा में सभी आवश्यक पोषक तत्व मिल सकें।

डॉ. अनुराग के अनुसार पोटाश का प्रयोग नाइट्रोजन और फास्फोरस वाले उर्वरकों के साथ किया जाना चाहिए। पोटाश पौधों के पोषण में नाइट्रोजन और फास्फोरस के प्रभाव को बढ़ा देता है। इस प्रकार पोटाश के प्रयोग से अधिकतम पैदावार, उच्चतम उत्पाद गुणवत्ता और

जानिए.. पोटाश फसलों के लिए क्यों जरूरी

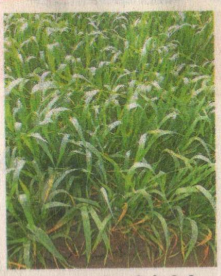

पोटेशियम की कमी से पीली पड़ी गेंहू की फसल।

- पौधों की वृद्धि एवं विकास के लिये पोटाश आवश्यक है।
- यह फसलों को मौसम की प्रतिकूलता जैसे- सूखा, ओला पाला तथा कीड़ों से बचाने में मदद करता है।
- यह जड़ों की वृद्धि करके फसलों को उखड़ने से बचाता है। इससे पौधों की कोशिका दीवारें मोटी व तने की कोष्ठ की परतों में वृद्धि होती है। जो फसल को गिरने से बचाती है।
- पोटेशियम मिलने से फसलों को कम पानी की जरूरत होती है, फसल की जल-उपयोग-क्षमता बेहतर होती है।

जानिए...पौधों में पोटेशियम की कमी के लक्षण

- पौधों की वृद्धि एवं विकास में कमी।
- पत्तियों का रंग गहरा हो जाना।
- पुरानी पत्तियों का नोकों या किनारे से पीला पड़ना, बाद में ऊतकों का

गेहूं व सरसों की फसल में आया चेपा रोग

जठलाना में गेहूं की फसल में लगा चेपा रोग।

जठलाना (यमुनानगर) | मौसम बदलने के चलते गेहूं व सरसों की फसल चेपा (अल) नामक रोग की चपेट में हैं। किसान बचाव में कीटनाशक दवाई का स्प्रे कर रहे हैं। स्प्रे के बाद भी चेपा का प्रकोप कम नहीं हो रहा। किसान राजेश कुमार, नाथीराम, सतीश कुमार, मेहरचंद व सलिंद्र कुमार का कहना है कि सरसों के फूल व गेहूं की बालियां निकल रहीं हैं। ऐसे में चेपा फसल को नुकसान पहुंचा रहा है। खंड कृषि अधिकारी डॉ. कमल कांबोज का कहना है कि चेपा नामक कीट पौधे से रस चूसकर फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे पौधे के विभिन्न भाग चिपचिपे हो जाते हैं, जिन पर काला कवक लग जाता है। इससे पौधे की भोजन बनाने की ताकत कम हो जाती है। जिस पौधे पर यह कीट होते हैं,